


भारत का राजपत्र
The Gazette of India
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)



प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 311]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 19, 2001/ज्येष्ठ 29, 1923

No. 311]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 19, 2001/JYAISTHA 29, 1923

पोत परिवहन मंत्रालय

(नौबहन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 जून, 2001

सा. का. नि. 440(अ).— केन्द्रीय सरकार, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 457 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और वाणिज्य पोत परिवहन (चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र) नियम, 1993 को, उन बातों के सिवाय जिन्हें ऐसे अधिक्रमण से पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है, अधिक्रान्त करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम, लागू होना और प्रारंभ—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वाणिज्य पोत परिवहन (चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र-सह-सीफेयरर पहचान दस्तावेज) नियम, 2001 है ।

(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

(3) ये पोत के फलक पर (जिसके अंतर्गत 200 सकल टन से अन्यून के विदेशगामी पोत और देशी व्यापार पोत हैं), नाविकों के रूप में नियोजन के लिए [अधिनियम की धारा 3 के खंड (42) के अधीन यथापरिभाषित] इन नियमों के नियम 4 और नियम 5 के अधीन यथाविनिर्दिष्ट पात्रता शर्तों को पूरा करने वाले व्यक्तियों को लागू होंगे ।

2. परिभाषाएँ—(1) इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) “अधिनियम” से वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) अभिप्रेत है ;

(ख) “अनुमोदित संस्थान” से पोत परिवहन महानिदेशालय द्वारा अनुमोदित प्रशिक्षण संस्थान अभिप्रेत है ;

(ग) “च.उ.प्र.” से चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र-सह-सीफेयरर पहचान दस्तावेज अभिप्रेत है ;

(घ) “अनुकंपा के आधार” से मृतक या शारीरिक रूप से अशक्त नाविक के पुत्रों या आश्रित कुटुंब के सदस्यों के मामले अभिप्रेत है, जहां, यथास्थिति, नाविक की मृत्यु या शारीरिक अशक्तता, समुद्री सेवा से उसकी सेवानिवृत्ति या अधिवर्षिता प्राप्ति से पूर्व हुई है। च.उ.प्र. देने के लिए आवेदक उसके कुटुंब के उपार्जन करने वाले अन्य सदस्यों के संबंध में, उस राजस्व प्राधिकापी से, जिसकी अधिकारिता में वह मामूली तौर पर निवास करता है, एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा और, यथास्थिति, उसे मृतक या शारीरिक रूप से अशक्त नाविक के केवल एक आश्रित पुत्र या कुटुंब के सदस्य पर अनुकंपा के आधार पर उपयोगिता सहायक के रूप में च.उ.प्र. देने के लिए विचार किया जाएगा ;

(ङ) “प्रलम्ब” से इन नियमों से उपाबद्ध प्रलम्ब अभिप्रेत है ;

(च) “पोत परिवहन मास्टर” से इस अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के अधीन नियुक्त पत्तन का पोत परिवहन मास्टर अभिप्रेत है ;

(छ) “पोत परिवहन उप महानिदेशक” से पोत परिवहन महानिदेशालय में कर्मिदल शाखा के भार साधक पोत परिवहन उप महानिदेशक अभिप्रेत है ;

(ज) “समुद्री सेवा” से पोत पर आबद्ध अवधि अभिप्रेत है ;

(झ) “प्र.प्र.नि.मा. (संहिता)” से वाणिज्य पोत परिवहन (सीफेयरर प्रशिक्षण, प्रमाणन और निगरानी मानक) नियम, 1998 में निर्दिष्ट संहिता अभिप्रेत है।

(2) उन शब्दों और पदों के, जो इसमें प्रयुक्त हैं, और परिभाषित नहीं हैं, किंतु अधिनियम में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होंगे जो उसमें हैं।

3. च.उ.प्र. के लिए आवेदन--(1) कोई व्यक्ति जो च.उ.प्र. देने के लिए इन नियमों के नियम 4 और नियम 5 में यथाविनिर्दिष्ट सभी पात्रता शर्तों को पूरी करता है, पोत परिवहन मास्टर, नौगवन, 10 राउटगार्ग, गैलार्ड एरटेड, गुवई-400001 या पोत परिवहन मास्टर, मैरिन हाऊस, इस्टिंग्ज, कलकत्ता - 700022 या पोत परिवहन मास्टर, वाणिज्यिक समुद्री बेड़ा विभाग, आर्यकरगेट भवन, दूसरा तल, पो.बा. नं० 5004, राजाजी सलाय, चैन्नई - 600001 को पंजीकृत डाक द्वारा आवेदन करेगा।

(2) ऐसा प्रत्येक आवेदन, पोत परिवहन महानिदेशक द्वारा समय-समय पर यथाविनिर्दिष्ट प्रलम्ब में होगा और पांच सौ रूपए की (अप्रतिदेय) फीस के साथ आवेदक के हाल के फोटो की दो प्रतियां, पात्रता सबूत के रूप में राजपत्रित अधिकारी द्वारा सम्यक् रूप से अनुप्रमाणित सुसंगत प्रमाणपत्रों या दस्तावेजों की प्रतियां तथा इस प्रभाव की, कि आवेदक को पूर्व में च.उ.प्र. नहीं दिया गया है और किसी अन्य पोत परिवहन मास्टर को च.उ.प्र. के लिए आवेदन प्रस्तुत नहीं किया है, हस्ताक्षरित घोषणा होगी।

4. प्रमाणपत्रित अधिकारियों से भिन्न आवेदक नाविकों के लिए पात्रता शर्तें--(1) आवेदक भारत का नागरिक होना चाहिए ;

(2) आयु सीमा--

(i)	डैक, इंजिन और खानपान (सैलून) रैंटिंग प्रशिक्षणार्थियों के लिए	18 और 25 वर्ष की आयु के बीच
(ii)	उपयोगिता सहायक के लिए	18 और 40 वर्ष के बीच
(iii)	पैटी आफिसर्स के लिए [बढ़ई, प्रधान स्टीवर्ड, बिजली मिस्त्री, फिटर, मशीन मिस्त्री, पंपमैन, रेफ्रिजरेशन मैकेनिक, कंप्यूटर आपरेटर, मैकेनिक (मोटरगाड़ी), आटोमोबाइल इंजीनियरिंग, पाइप फिटर, मोटर मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, सामान्य मैकेनिक, अनुस्क्षण मैकेनिक, मैकेनिक (औजार इंजीनियरिंग) वेल्डर, इलेक्ट्रिक आर्क वेल्डर, टर्नर, बायलर प्रचालक, इलेक्ट्रानिक मैकेनिक]	18 और 40 वर्ष की आयु के बीच
(iv)	भूतपूर्व नौसेना रैंटिंग के लिए	45 वर्ष की आयु तक
(v)	पोतनीय/पोत-लिपिक, वैद्युत आफिसर और इलेक्ट्रानिक आफिसर जैसे गैर-प्रमाणपत्रित आफिसरों के लिए	18 और 40 वर्ष के बीच

टिप्पण 1 -- आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख आवेदनों की प्राप्ति की अंतिम तारीख होगी ।

टिप्पण 2 -- सामान्यतः स्कूल छोड़ने के प्रमाणपत्र में यथावर्णित जन्म-तिथि आवेदक की जन्म-तिथि के साक्ष्य के प्रमाण के रूप में स्वीकार की जाएगी । भूतपूर्व नौसेना आवेदकों की बाबत, प्ररूप सं० भारतीय नौसेना 271 में उपदर्शित जन्म-तिथि ही केवल इस प्रभाव के लिए समुचित दस्तावेजी प्रमाण होगी ।

(3) शैक्षणिक अर्हताएं :

(i)	डैक, इंजिन और खानपान (सैलून) रेटिंग प्रशिक्षणार्थियों के लिए	दसवीं कक्षा पास ।
(ii)	उपयोगिता सहायक के लिए	आठवीं कक्षा पास ।
(iii)	पैटी आफिसर के लिए	दसवीं कक्षा पास तथा साथ में आई.टी.आई.से राष्ट्रीय व्यवसाय प्रमाणपत्र (एन.टी.सी.) या राष्ट्रीय शिक्षता प्रमाणपत्र (एन.ए.सी.) संबंधित व्यवसाय में प्रमाणपत्र या राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.वी.टी.) या अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् (ए.आई.सी.टी.ई.) द्वारा अनुमोदित डिप्लोमा प्रमाणपत्र । उपरोक्त संस्थानों में से किसी एक के पाठ्यक्रम की न्यूनतम कालावधि दो वर्ष होगी ।
(iv)	पोतनीय/पोत-लिपिक के लिए	लेखाकर्म और कंप्यूटर प्रचालन की जानकारी के साथ स्नातक ।
(v)	वैद्युत आफिसर और इलेक्ट्रॉनिक आफिसर के लिए	सरकारी मान्यताप्राप्त पोलीटेक्नीक या मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से संबंधित शाखा में डिप्लोमा या डिग्री ।

टिप्पण - उपयोगिता सहायक की श्रेणी के मामले में च०उ०प्र० अभ्यर्थी को किसी नौवहन कंपनी द्वारा प्रायोजित करने पर ही जारी किया जाएगा ।

(4) चिकित्सीय योग्यता के लिए, आवेदक के पास वाणिज्य पोत परिवहन (चिकित्सीय परीक्षा) नियम, 2000 के उपबंध "ड" और "च" में विहित प्ररूप में दिया गया इस प्रभाव का प्रमाणपत्र होना चाहिए कि वह पोतों पर नियोजित किए जाने के लिए चिकित्सीय रूप से योग्य है ।

(5) डैक, इंजिन और खानपान (सैलून) प्रशिक्षणार्थी के रूप में च.उ.प्र. दिए जाने के लिए आवेदक को वाणिज्य पोत परिवहन (सीफेयर प्रशिक्षण, प्रमाणन और निगरानी मानक) नियम, 1998 के नियम 28 के उपनियम (2) के खंड (ii) के उपखंड (ख) के अधीन यथाविहित अनुमोदित प्रशिक्षण संस्थान से रेटिंग के लिए पूर्व-सागर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करना होगा ।

(6) च.उ.प्र. दिए जाने के लिए आवेदक को वाणिज्य पोत परिवहन (सीफेयर प्रशिक्षण, प्रमाणन और निगरानी मानक) नियम, 1998 के नियम 33 के उपनियम (1) के अधीन यथाविहित आधारभूत सुविज्ञता प्रशिक्षण और अनुदेश प्राप्त करना होगा ।

(7) आवेदक, भारत में किसी भी पोत परिवहन मास्टर द्वारा पूर्व में जारी किए गए च.उ.प्र. को नहीं रखेगा ।

(8) अमुकम्पा के आधार पर च० उ० प्र० देने के मामले में, पोत परिवहन महानिदेशक सभी प्रवर्गों की दृष्टि से इस नियम के उपनियम(5) और (6) के सिवाय इस नियम के किसी एक या सभी उपबंधों को शिथिल कर सकेगा ।

(9) इस नियम के उपनियम (2) से (5) और उपनियम (7) में किसी बात के होते हुए भी आवेदक जो संघ-राज्य क्षेत्र अंदर्भांग और निकोबार द्वीप या संघ राज्य क्षेत्र सक्षम द्वीप की किसी जनजाति का सदस्य है और जिसकी आयु 18 वर्ष से अल्प और 40 वर्ष से अधिक है च 0 उ 0 प्र 0 अभिप्राप्त करने के लिए पात्र होगा यदि वह -

(i) आवेदन की तारीख के पूर्ववर्ती 7 वर्षों के भीतर समुद्र पर 3 वर्ष से अल्प और लिए नाविक या पोतकर्मियों के रूप में या दोनों में उस हैसियत में जिसके लिए वह च 0 उ 0 प्र 0 प्राप्त करना चाहता है सेवा कर चुका है ;

(ii) यह साक्ष्य प्रस्तुत कर चुका है कि वह ऐसी समुद्र सेवा तीन वर्ष से अल्प की अवधि के लिए संपादित कर चुका है

(iii) वाणिज्य पोत परिवहन (चिकित्सीय परीक्षा) नियम, 2000 के उपाबंध (इ) और (च) में दिए गए विहित प्रारूप में इस प्रभाव का प्रमाणपत्र धारित करता है कि वह पोतों पर नियोजित किए जाने के लिए चिकित्सीय रूप से योग्य है ; और

(iv) वाणिज्य पोत परिवहन (सीफेयरर, प्रशिक्षण, प्रमाणन और निगरानी मानक) नियम, 1998 के नियम 33 के उपनियम (1) के अधीन यथाविहित आधारभूत सुविज्ञता प्रशिक्षण और अनुदेश प्राप्त कर चुका है ।

(10) इस नियम के उपनियम (2), (3) और (5) में किसी बात के होते हुए भी आवेदक जो किसी हैसियत में किसी पताका के विदेशगामी जलयान पर 1 जनवरी, 1982 और इस राजपत्र में इन नियमों की अधिसूचना की तारीख के बीच की अवधि के दौरान भारतीय प्राधिकारी द्वारा दिए गए च 0 उ 0 प्र 0 के बिना तीन वर्ष से अल्प की न्यूनतम अवधि से कार्य कर रहा है उसे निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए इन नियमों के अधीन उसी हैसियत से च 0 उ 0 प्र 0 दे दिया जाएगा, अर्थात् :-

(i) आवेदक भारत का नागरिक है ।

(ii) आवेदक उसके आवेदन के साथ उसका पासपोर्ट या उसका द्वारा की गई समुद्री सेवा के विरत व्यौर देने वाले उसका द्वारा धारित उसके सीफेयरर पहचान दस्तावेज पेश करेगा जो उस जलयान के मास्टर या स्वामी या स्वामी के प्राधिकृत अधिकर्ता द्वारा सम्यक रूप से पृष्ठांकित होगा जिस पर सीफेयरर सेवा कर चुका था या स्वामी के प्राधिकृत अधिकर्ता की सेवा कर चुका था ।

(iii) आवेदक के पास वाणिज्य पोत परिवहन (चिकित्सीय परीक्षा) नियम, 2000 के उपाबंध (इ) और (च) में दिए गए विहित प्रारूप में इस प्रभाव का प्रमाण पत्र है कि वह पोतों पर नियोजित किए जाने के लिए चिकित्सीय रूप से योग्य है ।

(iv) आवेदक ने वाणिज्य पोत परिवहन (सीफेयरर प्रशिक्षण, प्रमाणन और निगरानी मानक) नियम, 1998 के नियम 33 के उपनियम (1) के अधीन यथाविहित आधारभूत सुविज्ञता प्रशिक्षण और अनुदेश प्राप्त कर लिया है ।

(v) ऐसा आवेदन पोत परिवहन मास्टर के कार्यालय में राजपत्र में इन नियमों की अधिसूचना की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर प्रस्तुत कर दिया जाएगा ।

5. प्रमाणपत्रिता अधिकारियों के लिए पात्रता - (1) कोई भारतीय नागरिक, जिसके पास अधिनियम की धारा 78 के अधीन दिया गया विधिमाम्य सक्षमता प्रमाणपत्र या अधिनियम की धारा 86 के अधीन मान्यताप्राप्त प्रमाणपत्र है या जो पोत परिवहन महानिदेशक द्वारा अनुमोदित विज्ञान स्नातक (नोटिकल विज्ञान) के तीन वर्ष के पाठ्यक्रम की अंतिम परीक्षा में सफल घोषित कर दिया गया है या जो समुद्री इंजीनियर अधिकारी श्रेणी 2 भाग क परीक्षा में उत्ताण या छूट प्राप्त घोषित कर दिया गया है च 0 उ 0 प्र 0 देने के लिए पात्र है ।

(2) प्रशिक्षणार्थी समुद्री इंजीनियर, प्रशिक्षणार्थी रेडियो अधिकारी और डैक कैडेट्स जो विहित रागर- पूर्व प्रशिक्षण पूरा कर चुके हैं और समुद्र में अग्रसर होने के लिए पात्र हैं भी पदधारी के रैंक या प्रवर्ग विनिर्दिष्ट करते हुए च0 उ0 प्र0 के दिए जाने के लिए आवेदन के लिए पात्र होंगे ।

(3) नौचालन निगरानी अधिकारी (एन सी वी), समुद्री अधिकारी, श्रेणी 4 और भूतपूर्व भारतीय नौसेना अधिकारी जिनके पास निगरानी प्रमाणपत्र है जो लिखित परीक्षा पूरी कर चुके हैं और जिनके लिए मौखिक परीक्षा में उपस्थित होने के लिए नौ आरोहण प्रशिक्षण लेना अपेक्षित है पदधारी के रैंक या प्रवर्ग विनिर्दिष्ट करते हुए च0 उ0 प्र0 के दिए जाने के लिए प्रार्थना करने के लिए पात्र होंगे ।

(4) कोई भारतीय नागरिक जिसके पास किसी विदेशी राष्ट्र द्वारा दिया गया विधि मान्य सक्षमता प्रमाणपत्र है, च0 उ0 प्र0 के दिए जाने की प्रार्थना करने के लिए पात्र है ।

(5) ऊपर उपनियम (1) और (2) में वर्णित सभी आवेदकों को वाणिज्य पोत परिवहन (सीफेयरर प्रशिक्षण, प्रमाणन और निगरानी मानक) नियम, 1998 के नियम 33 के उपनियम (2) के अधीन यथाविहित आधारभूत सुविज्ञता, प्रशिक्षण और अनुदेश प्राप्त करने होंगे ।

6. च0 उ0 प्र0 का दिया जाना - (1) पोत परिवहन मास्टर, च0 उ0 प्र0 में आवेदक की विवरणात्मक विशिष्टियां प्रविष्ट होने और उसके फोटो लग जाने के पश्चात् फोटो पर अपने हस्ताक्षर और शासकीय मुद्रा लगाएगा और उसे उस आवेदक को दे देगा जो नियम 4 और 5 में अधिकथित सभी शर्तों को पूरी करता है ।

(2) इन नियमों के अधीन दिया गया च0 उ0 प्र0, प्ररूप- 1 में होगा और क्रमानुसार संख्यांकित होगा ।

टिप्पण - च0 उ0 प्र0 का दिया जाना ऐसी नौकरी की गारंटी नहीं देता है जो नियोजकों या परमाधिकार है ।

7. च0 उ0 प्र0 का रजिस्टर - (1) पोत परिवहन मास्टर अपने पत्तन से नाविकों को दिए जाने वाले च0 उ0 प्र0 का एक रजिस्टर प्ररूप - 2 में रखेगा जिसमें च0 उ0 प्र0 में अभिलिखित सभी विशिष्टियां होंगी ।

(2) पत्तन में दिए गए च0 उ0 प्र0 में सभी पश्चात्तर्फी प्रविष्टियां भी उक्त रजिस्टर में अभिलेखित की जाएंगी ।

8. विधि मान्यता की अवधि - (1) इन नियमों के अधीन दिया गया च0 उ0 प्र0 दस वर्ष की अवधि के लिए विधिमान्य होगा और उसकी समाप्ति पर या समाप्ति की तारीख से पूर्व 6 मास के धारक की प्रार्थना पर एक समय में दस वर्ष तक की और अवधि के लिए नवीकृत किया जा सकेगा यदि उसका धारक सेवारत नाविक है और उसका च0 उ0 प्र0 इन नियमों के अधीन रद्द नहीं किया गया है, वापस नहीं लिया गया है निलंबित नहीं किया गया है ।

(2) यदि किसी नाविक के च0 उ0 प्र0 की विधिमान्यता की अवधि समुद्र यात्रा के दौरान समाप्त होती है तो वह समुद्र यात्रा की समाप्ति तक विधिमान्य बनी रहेगी ।

(3) नवीकरण के समय पुरानी फोटो को प्रतिधारित करते हुए च0 उ0 प्र0 में पिछले तीन मास के भीतर लिया गया हाल का फोटो लगा देना चाहिए ।

9. अभित्यजन आदि की रिपोर्ट - अधिनियम की धारा 192 के प्रयोजनों के लिए उचित अधिकारी पोत परिवहन मास्टर होगा ।

10. च० उ० प्र० का रद्दकरण या निलंबन - (1) जहाँ पोत परिवहन महानिदेशक का यह समाधान हो जाता है कि किसी नाविक ने अधिनियम की धारा 190 में विनिर्दिष्ट प्रकृति का अवचार किया है या महानिदेशक द्वारा प्राप्त रिपोर्ट पर उसका यह समाधान हो जाता है कि किसी नाविक ने धारा 192 में विनिर्दिष्ट परिस्थितियों में अपने पोत का अभित्यजन कुरं दिया है या वह अधिनियम की धारा 195 की उपधारा (2) में निर्दिष्ट प्रकृति के अपराध के लिए दोष सिद्ध हो गया है वहाँ वह उस पोत परिवहन मास्टर को निदेश दे सकेगा कि उस नाविक का च० उ० प्र० रद्द कर दें या ऐसी अवधि के लिए विधार्जित या निलंबित कर दें जो उस निदेश में विनिर्दिष्ट की जाए।

(2) यदि वैध रूप से लगा हुआ कोई नाविक अधिनियम की धारा 194 में वर्णित कार्य में से कोई कार्य करने के अपराध का दोषी है या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अधीन किसी अपराध के लिए दोष सिद्ध हो गया है वहाँ महानिदेशक यह निदेश दे सकेगा कि उस नाविक का च० उ० प्र० रद्द किया जाएगा या ऐसी अवधि के लिए जो निदेश में विनिर्दिष्ट की जाए विधार्जित या निलंबित किया जाएगा।

(3) यदि पोत परिवहन मास्टर के पास यह विश्वास करने के कारण है कि इस नियम के अधीन दिए गए च० उ० प्र० के धारक ने मिथ्या या गलत जानकारी देकर उसे अभिप्राप्त किया है तो वह तुरंत ऐसे च० उ० प्र० को रद्द कर सकेगा या निलंबित कर सकेगा।

(4) जहाँ ऊपर उल्लिखित प्रकार से च० उ० प्र० का रद्दकरण या निलंबन किया गया है तो उसके कारण उस व्यक्ति को जिसको यह दिया जाता है लिखित रूप में सूचित कर दिए जाएंगे और यथास्थिति ऐसे रद्दकरण या निलंबन के आदेश की एक प्रति भारत में सभी अन्य पोत परिवहन मास्टरों और पोत परिवहन महानिदेशक को पृष्ठांकित की जाएगी।

(5) यथास्थिति च० उ० प्र० के रद्दकरण या निलंबन या उसे विधार्जित करने के पूर्व च० उ० प्र० के धारक को पोत परिवहन मास्टर के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर दिया जाएगा। पोत परिवहन मास्टर च० उ० प्र० के धारक को यथास्थिति रद्दकरण या निलंबन या विधार्जित के कारण भी यदि उनका फैसला हो गया है सूचित करेगा।

11. अपील- (1) पोत परिवहन मास्टर द्वारा इन नियमों के अधीन दिए गए किसी आदेश द्वारा व्यथित कोई आवेदक ऐसे आदेश की प्राप्ति के 60 दिन की अवधि के भीतर च० उ० प्र० का निपटान करने वाले पोत परिवहन उपमहानिदेशक को अपील कर सकेगा।

नियम-11 के

(2) कोई आवेदक जो पोत परिवहन उपमहानिदेशक द्वारा उपनियम (1) के अधीन दिए गए किसी आदेश द्वारा व्यथित है, वह अपने द्वारा ऐसे आदेश की प्राप्ति के 60 दिन के भीतर पोत परिवहन महानिदेशक को अपील कर सकेगा। ऐसे मामलों में ऐसी अपील पर पोत परिवहन महानिदेशक का विनिश्चय अंतिम होगा।

(3) कोई अपील, यदि वह उपनियम (1) और (2) के अधीन विहित अवधि की समाप्ति के पश्चात् की जाती है ग्रहण नहीं की जाएगी; परंतु कोई अपील उसके लिए विहित अवधि की समाप्ति के पश्चात् ग्रहण की जा सकेगी यदि आवेदक अपील प्राधिकारी का यह समाधान कर देता है कि उसके पास उस विहित अवधि के भीतर अपील न करने का पर्याप्त हेतुक था।

12. रद्द किया गया च० उ० प्र०, आदि का रजिस्टर - पोत परिवहन मास्टर ऐसे च० उ० प्र० का एक रजिस्टर रखेगा जो इन नियमों के नियम 10 के अधीन विधार्जित, रद्द या निलंबन किए गए हैं।

13. कतिपय दशाओं में च० उ० प्र० का न दिया जाना - (1) इन नियमों के अधीन किसी ऐसे आवेदक को जिसका आवेदन किसी एक पत्तन के पोत परिवहन मास्टर द्वारा रद्द या निलंबन कर दिया गया है और वह आवेदक इस तथ्य को छिपाते हुए किसी अन्य पत्तन के पोत परिवहन मास्टर को आवेदन करता है, कोई च० उ० प्र० नहीं दिया जाएगा।

(2) जहां च0 उ0 प्र0 के दिए जाने की प्रार्थना रद्द या निलंबित कर दी जाती है वहां आवेदक को ऐसे रद्दकरण या निलंबन के कारण सूचित किए जाएंगे और ऐसे आदेश की एक प्रति सभी अन्य पोत परिवहन मास्टरों तथा पोत परिवहन महानिदेशक को पृष्ठांकित की जाएंगी।

(3) उस आवेदक को, जिसके विरुद्ध किसी पोत परिवहन मास्टर द्वारा विवर्जन आदेश पारित कर दिया गया है, जब तक, कि उक्त आदेश पोत परिवहन महानिदेशक द्वारा अपास्त नहीं कर दिया गया हो कोई च0 उ0 प्र0 नहीं दिया जाएगा।

14. च0 उ0 प्र0 की दूसरी प्रति - जहां किसी सेवारत नाविक का इन नियमों के अधीन दिया गया च0 उ0 प्र0 गलत स्थान पर रखा गया है, विनष्ट हो गया है विरुपित या विकृत हो गया है, वहां ऐसा नाविक संबंधित पोत के पोत परिवहन मास्टर को च0 उ0 प्र0 की दूसरी प्रति, उसमें पूर्ववर्ती समुद्र यात्राओं की सभी प्रविष्टियों या उसमें अभिलिखित प्रविष्टियों के संक्षेप के साथ देने के लिए एक हजार रुपए की फीस के साथ आवेदन कर सकेगा।

15. च0 उ0 प्र0 की विवरणियां - प्रत्येक पोत परिवहन मास्टर प्रत्येक तिमाही के प्रारंभ में पोत परिवहन महानिदेशक को पूर्ववर्ती तिमाही के दौरान उसके पत्तन से नाविकों को दिए गए च0 उ0 प्र0 की संख्या की बाबत एक विवरणी प्रारूप 3 में देगा।

16. उन्मोचन पर प्रवेश (1) उन्मोचन के समय नाविक को, यदि वह चाहे तो उस पोत के मास्टर द्वारा जिस पर वह सेवा कर रहा है, च0 उ0 प्र0 में एक प्रविष्टि दी जाएगी जिसमें अधिनियम की धारा 120 की उपधारा (2) में विनिर्दिष्ट विविष्टियां निर्दिष्ट होंगी।

(2) च0 उ0 प्र0 में की गई विविष्टियां उन्मोचन के पत्तन के पोत परिवहन मास्टर द्वारा अनुप्रमाणित की जाएंगी और तत्पश्चात् च0 उ0 प्र0 संबंधित नाविक को लौटा दिया जाएगा।

प्रारूप (नियम 8(2) देखिए)

भारत सरकार
संप्रतीक

चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र-सह-सीफेयरस-पहचान दस्तावेज

वाणिज्य पोत परिवहन (चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र-सह-सीफेयरस-पहचान दस्तावेज) नियम, 2001 के अधीन जारी

फोटो	फोटो	फोटो	फोटो
शासकीय मुद्रा	शासकीय मुद्रा	शासकीय मुद्रा	शासकीय मुद्रा
नया निर्गम	प्रथम नवीकरण	द्वितीय नवीकरण	तृतीय नवीकरण

टिप्पण- उपरोक्त फोटो पोत परिवहन कार्यालय की मुद्रा भागतः फोटो पर और भागतः पुस्तक पर लगाकर पोतपरिवहन मास्टर के हस्ताक्षर द्वारा अधिप्रमाणित की जानी चाहिए।

नाविक का नाम

पत्तन का कोड सं0 और

उन्मोचन पुस्तक

रजिस्ट्रीकृत सं0

नाविकों को सूचना

- (1) नाविकों को सूचित किया जाता है कि यह चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र-सह-सीफेयरस-पहचान, दस्तावेज कवर, के अनुच्छेदों पर हस्ताक्षर करते समय, पोत परिवहन मास्टर या कौंसल जो प्रस्तुत करके उन्हें सौंप दिया जाना चाहिए जिससे कि नियुक्ति स्तंभ को भरा जा सके और प्रमाणपत्र पोत के मास्टर के पास सुरक्षित अभिरक्षा में दिया जा सके ।
- (2) यदि नाविक अभित्यजन करता है या पदभार ग्रहण करने में असफल रहता है तो मास्टर उसकी पुस्तक को, पोत परिवहन मास्टर या कौंसल के पास या ऐसे पत्तन पर जहां उसने पोत छोड़ा था, जमा करेगा, जो उसे नियुक्ति पत्तन के पोत परिवहन मास्टर को भेजेगा ।
- (3) यदि यह प्रमाणपत्र विरूपित हो जाता है या फट जाता है या वह पूरा भर जाता है, या गुम हो जाता है तो पोत परिवहन मास्टर आवेदन किये जाने पर इसकी दूसरी प्रति जारी किए जाने के लिए प्रबंध करेगा ।
- (4) नाविकों को चेतावनी दी जाती है कि वे इस प्रमाणपत्र में की गई प्रविष्टियों को ठीक या परिवर्तित न करें या किसी भी रूप में उनके साथ गड़बड़ न करें और यदि वे ऐसा करते हैं तो वे अभियोजनों के दायित्व के अधीन होंगे ।
- (5) नाविकों को सूचना दी जाती है कि चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र का प्रत्येक दस वर्ष के पश्चात् पुनःविधिमान्यकरण कराया जाना चाहिए और पुनःविधिमान्यकरण के समय हाल का एक अतिरिक्त फोटो लगाया जाना चाहिए ।
- (6) यह सुनिश्चित किया जाए कि च0 उ0 प्र0 में उल्लिखित विशिष्टियां सही हैं और यदि कोई विसंगति जानकारी में आती है तो उसे प्राप्ति की तारीख से 30 दिन के भीतर संशोधन के लिए च0 उ0 प्र0 के साथ जारी करने वाले कार्यालय को उसकी सूचना दे दी जाए । इस नियत तिथि के पश्चात् किसी संशोधन के लिए प्रार्थना पर विचार नहीं किया जा सकता ।

टिप्पण

यदि यह प्रमाणपत्र किसी ऐसे व्यक्ति के कब्जे में आ जाता है जिससे इसका संबंध नहीं है तो यह पोतपरिवहन मास्टर या निकटतम वाणिज्यिक समुद्री कार्यालय में दे देना चाहिए या पोतपरिवहन महानिदेशालय, मुम्बई को भेजा जाना चाहिए ।

नाविक द्वारा प्राप्त किसी प्रोत्साहन या प्रशंसा का अभिलेख ।

इस प्रविष्टि पर पोत परिवहन मास्टर द्वारा तारीख और मोहर सहित हस्ताक्षर किए जाएं ।

संप्रतीक

चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र-सह-सीफेयरस-पहचान दस्तावेज

भारत सरकार द्वारा जारी

नाविक का पूरा नाम और पिता का नाम

जन्म की तारीख

दिन	मास	वर्ष

जन्म का स्थान:

राष्ट्रीयता:

धर्म :

कद सेंटीमीटर में :

आंखों का रंग :

बालों का रंग :

रूप रंग :

सक्षमता प्रमाण पत्र, यदि कोई हो

श्रेणी	संख्यांक

गोदने का या अन्य सुभेदक चिन्ह

(i)	
(ii)	

.....पत्तन पर जारी किया गया

जारी करने की तारीख:

नाविक के हस्ताक्षर.....

पोत परिवहन मास्टर

- सागर पूर्व प्रशिक्षण प्रमाणपत्र सं० और जारी किए जाने का स्थान:
- पी एस एस आर प्रमाणपत्र सं० और जारी किए जाने का स्थान
- पी एस टी प्रमाणपत्र सं० और जारी किए जाने का स्थान
- एफ एफ और एफ पी प्रमाणपत्र सं० और जारी करने का स्थान
- ई एफ ए प्रमाणपत्र सं० और जारी करने का स्थान
- रसोई पकाने का सक्षमता प्रमाणपत्र सं० और जारी करने का स्थान

सेवा के पूर्व प्रमाणपत्र का सार

वैद्य का नाम	समुद्रयात्राओं की सं०	प्रवर्ग	समुद्रयात्राओं की सं०

समुद्रयात्राएं जो पूरी नहीं हुई

चलत उन्मोचन प्रमाण पत्र-सह-सीफेयर-पहचान दस्तावेज

क्रम सं०	* पोत का नाम और शासकीय संख्या और टन भार ✕	निम्नलिखित की तारीख और स्थान		प्रवर्ग	समुद्र यात्रा का विवरण	मास्टर और पोत परिवहन मास्टर कौंसलर अधिकारी के हस्ताक्षर और शासकीय मुद्रा
		नियुक्ति	उन्मोचन			
1	2	3	4	5	6	7
1					1	(1) (2)
2					2	(1) (2)
3					3	(1) (2)
4					4	(1) (2)
5					5	(1) (2)
6					6	(1) (2)
7					7	(1) (2)
8					8	(1) (2)
9					9	(1) (2)
10					10	(1) (2)
11					11	(1) (2)
12					12	(1) (2)
13					13	(1) (2)
14					14	(1) (2)
15					15	(1) (2)
16					16	(1) (2)

17					17	(1) (2)
18					18	(1) (2)
19					19	(1) (2)
20					20	(1) (2)
21					21	(1) (2)
22					22	(1) (2)
23					23	(1) (2)
24					24	(1) (2)
25					25	(1) (2)
26					26	(1) (2)
27					27	(1) (2)
28					28	(1) (2)
29					29	(1) (2)
30					30	(1) (2)
31					31	(1) (2)
32					32	(1) (2)
33					33	(1) (2)
34					34	(1) (2)
35					35	(1) (2)
36					36	(1) (2)
37					37	(1) (2)
38					38	(1) (2)

39					39	(1) (2)
40					40	(1) (2)
41					41	(1) (2)
42					42	(1) (2)
43					43	(1) (2)
44					44	(1) (2)
45					45	(1) (2)
46					46	(1) (2)
47					47	(1) (2)
48					48	(1) (2)
49					49	(1) (2)
50					50	(1) (2)
51					51	(1) (2)
52					52	(1) (2)
53					53	(1) (2)
54					54	(1) (2)

* ये स्तंभ नियुक्ति के समय भरे जाने चाहिए ।

इंजीनियर पुस्तक में किलोवाट भरे । रेडियों अधिकारी पुस्तकों में पोत का टन भार का वर्गीकरण वाणिज्य पोत परिवहन (संकट और सुरक्षा रेडियों संचार) के नियम, 1995 के अनुसार भरें ।

नविक के घर का पता
(नाविक द्वारा भरा जाए)

नाम
ग्राम
डाक घर

ज़िला
राज्य
पिनकोड

पते सहित नाविक का निकट संबंधी

नाम और नातेदारी
पता.....

कार्यालय प्रयोग के लिए अतिरिक्त पृष्ठ

वाणिज्य पोत परिवहन (चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र -सह-सीफेयरर पहचान दस्तावेज)नियम, 2001 के अधीन जारी किया गया से 10 वर्ष की अवधि के लिए विधिमान्य । यदि विधिमान्यता की अवधि समुद्रयात्रा के दौरान समाप्त होती है तो यह समुद्रयात्रा की समाप्ति तक विधिमान्य बना रहेगा ।

पोत परिवहन मास्टर

वाणिज्य पोत परिवहन (चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र -सह-सीफेयरर पहचान दस्तावेज)नियम, 2001 के अधीन जारी किया गया से 10 वर्ष की अवधि के लिए विधिमान्य । यदि विधिमान्यता की अवधि समुद्रयात्रा के दौरान समाप्त होती है तो यह समुद्रयात्रा की समाप्ति तक विधिमान्य बना रहेगा ।

पोत परिवहन मास्टर

वाणिज्य पोत परिवहन (चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र -सह-सीफेयरर पहचान दस्तावेज)नियम, 2001 के अधीन जारी किया गया से 10 वर्ष की अवधि के लिए विधिमान्य । यदि विधिमान्यता की अवधि समुद्रयात्रा के दौरान समाप्त होती है तो यह समुद्रयात्रा की समाप्ति तक विधिमान्य बना रहेगा ।

पोत परिवहन मास्टर

कार्यालय प्रयोग के लिए अतिरिक्त पृष्ठ

प्ररूप 2

(नियम 7 देखिए)

चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र-सह-सीफेयरर -पहचानपत्र का रजिस्टर

उन्मोचन पुस्तक का रजिस्ट्रीकृत सं०.....

प्रमाणपत्र जारी किए जाने की तारीख.....

संप्रतीक

भारत सरकार द्वारा

जारी किया गया

फोटो

1. सागर पूर्व प्रशिक्षण प्रमाणपत्र सं० और जारी किए जाने का स्थान:
2. पी एस एस आर प्रमाणपत्र सं० और जारी किए जाने का स्थान
3. पी एस टी प्रमाणपत्र सं० और जारी किए जाने का स्थान
4. एफ एफ और एफ पी प्रमाणपत्र सं० और जारी करने का स्थान
5. ई एफ ए प्रमाणपत्र सं० और जारी करने का स्थान
6. रसोई पकाने का संक्षमता प्रमाणपत्र सं० और जारी करने का स्थान

नाविक का पूरा नाम और पिता का नाम

जन्म की तारीख:

दिन	मास	वर्ष

जन्म का स्थान:

राष्ट्रीयता:

धर्म

ग्राम

डाकघर

जिला

राज्य

पिनकोड

कद सेंटीमीटर में

आंखों का रंग

बालों का रंग

रूपरंग

सक्षमता प्रमाणपत्र, यदि कोई हो

श्रेणी	संख्या

गोदने का या अन्य सुभेदक चिन्ह

(i)	
(ii)	

.....पत्तन पर जारी किया गया

जारी करने की तारीख

नाविक के हस्ताक्षर.....

पोत परिवहन मास्टर

नाविक द्वारा प्राप्त किसी प्रोत्साहन या प्रशंसा का अभिलेख

(इस प्रविष्टि पर पोत परिवहन मास्टर द्वारा तारीख और मोहर सहित हस्ताक्षर किए जाएं)

नाविक के हस्ताक्षर

पोत परिवहन मास्टर

..... वने जारी किया गया

*टिप्पण: रुकने संबंधी आदेश ध्यान आकर्षित करने के लिए लाल स्याही में लिखे जाने चाहिए । रुकने संबंधी आदेश और अन्य आदेश, जैसे ही परिवर्तन में न रहे, रद्द किए जाने हैं । इस रजिस्टर में की गई सभी प्रविष्टियों, परिवर्धनों और परिवर्तनों पर पोत परिवहन मास्टर द्वारा आद्याक्षर किए जाने चाहिए अन्यथा उन्हें मान्यता प्राप्त नहीं होगी । किसी भी व्यक्ति को यह चेतावनी दी जाती है कि यदि वह इस रजिस्टर में गड़बड़ करता है तो वह अभियोजित किया जाने का दांयी होगा

क्रम सं०	*पोत का नाम, शासकीय संख्यांक और टन भार	निम्नलिखित की तारीख और स्थान		प्रवर्ग	समुद्र यात्रा का विवरण	मास्टर का नाम	पोतपरिवहन मास्टर के आद्याक्षर
		नियुक्ति	उन्मोचन				
1	2	3	4	5	6	7	8
1.							
2.							
3.							
4							

1	2	3	4	5	6	7	8
5							
6							
7							
8							
9							
10							
11							
12							
13							
14							
15							
16							
17							
18							
19							
20							
21							
22							
23							
24							
25							
26							
27							
28							
29							
30							
31							
32							
33							
34							
35							
36							
37							
38							
39							
40							
41							
42							
43							
44							
45							
46							
47							

1	2	3	4	5	6	7	8
48							
49							
50							
51							
52							
53							
54							

- * इंजीनियर पुस्तक में अश्वशक्ति भरें। रेडियो अधिकारी पुस्तक में पोत का सकल टन भार, और बेतार का वर्गीकरण भरें।

प्ररूप 3
(नियम 15 देखिए)

.....पत्तन पर.....को समाप्त होने वाले क्वार्टर के दौरान नाविकों को जारी किया गया चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र-सह-सीफेयरर-पहचान दस्तावेज की बाबत विवरणी।

जारी किया गया चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र सह-सीफेयरर-पहचान दस्तावेज सं.

डैक	इंजिनकक्ष	सैलून	योग
-----	-----------	-------	-----

जारी किए गए चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र सह-सीफेयरर प्रमाणपत्र दस्तावेज की दूराशी प्रति का संख्यांक—

पोत परिवहन मास्टर

सेवा में

पोतपरिवहन महानिदेशक
मुम्बई

उपाबंध

चलत उन्मोचन प्रमाणपत्र-सह-सीफेयरस-पहचान दस्तावेज जारी करने के प्रयोजनों के लिए पत्तन का नाम और उनके कोड अक्षर

पत्तन का नाम	कोड अक्षर
1. मुम्बई	एम यू
2. कलकत्ता	सी एल
3. चेन्नई	सी एच

[फा. सं. ए-12017/8/2000-एम टी]

एम. रामचन्द्रन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING

(SHIPPING WING)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th June, 2001

G.S.R. 440(E).—In exercise of the powers conferred by section 457 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) and in supersession of the Merchant Shipping (Continuous Discharge Certificate) Rules, 1993, except as respects things are done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title, commencement and application —(1) These rules may be called the Merchant Shipping (Continuous Discharge Certificate-cum-Seafarer's Identity Document) Rules, 2001.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) They shall apply to persons, who fulfil the eligibility conditions as specified under rules 4 and 5 of these rules for employment as seamen, [as defined under clause (42) of section 3 of the Act], on board ships (including foreign going ships and home trade ships of not less than 200 tons gross).

2. Definitions : (1) In these rules, unless the context otherwise requires.-

(a) "Act" means the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958);

(b) "Approved Institute" means a training institute approved by the Directorate General of Shipping;

(c) "C.D.C." means a Continuous Discharge Certificate-cum-Seafarer's Identity Document;

(d) "compassionate grounds" means the cases of sons or dependant family members of deceased or physically incapacitated seaman where the death or physical incapacitation, as the case may be, of the seamen occurred prior to his retirement from sea service or attainment of superannuation. The applicant for issue of C.D.C. shall produce a certificate from the Revenue Authority within whose jurisdiction he ordinarily resides, regarding other earning members in his family and only one dependent son or family member of the deceased or as the case may be physically incapacitated seaman shall be considered for issue of C.D.C. as utility hand on compassionate grounds;

(e) "Form" means a form appended to these rules;

(f) "Shipping Master" means a Shipping Master of a port appointed under sub-section (1) of Section 11 of the Act;

(g) "Deputy Director-General of Shipping" means the Deputy Director General of Shipping in charge of the Crew Branch in the Directorate General of Shipping;

(h) "Sea service" means articulated period on a ship.

(i) "S.T.C.W. (Code)" means the code referred to in Merchant Shipping (Standards of Training, Certification and Watchkeeping for Seafarers) Rules, 1998.

(2) Words and phrases used in these rules and not defined but defined in the Act shall have the meanings respectively assigned to them.

3. Application for C.D.C.-(1) Any person who fulfils all the eligibility conditions as specified in rules 4 and 5 of these rules, for the issue of a C.D.C, may apply to the shipping master at Nau Bhavan, 10, R.K. Marg, Ballard Estate, Mumbai-400001 or shipping master at Marine House, Hastings, Calcutta-700022 or shipping master, Mercantile Marine

Department, Anchorgate Building, 2nd Floor, P.B.No.5004, Rajaji Salai, Chennai-600001, by registered post.

(2) Every such application shall be in the format as specified by the Director General of Shipping, from time to time, and shall be accompanied by two copies of the applicant's recent photograph, copies of relevant certificates or documents duly attested by a Gazetted Officer as proof of eligibility, and a signed declaration to the effect that the applicant has not previously been issued a C.D.C and has not submitted an application for C.D.C to any other shipping master, alongwith a fee of five hundred rupees (non refundable).

4. Eligibility conditions for applicant seaman other than Certificated Officers - (1) The applicant should be a citizen of India:

(2) Age limit -

(i)	For Deck, Engine and Catering (Saloon) rating trainees	Between 18 and 25 years of age
(ii)	For Utility Hand	Between 18 and 40 years
(iii)	For Petty Officers [Carpenter, Chief Steward, Electrician, Fitter, Machinist, Pump man, Refrigeration Mechanic, Computer Operator, Mechanic (Motor Vehicle), Automobile Engineering, Pipe Fitter, Motor Mechanic, Diesel Mechanic, General Mechanic, Maintenance Mechanic, Mechanic (Tool Engineering), Welder, Electric Arc Welder, Turner, Boiler Attendant, Electronic Mechanic]	Between 18 and 40 years of age
(iv)	For ex-Naval ratings	Upto 45 years of age
(v)	For non-certificated Officers such as Purser/Ship's clerk, Electrical officer and Electronic Officer.	Between 18 and 40 years.

Note 1- The crucial date for determining the age-limit shall be the closing date for receipt of applications.

Note 2- Normally, the date of birth as mentioned in the School Leaving certificate shall be accepted as proof of evidence of date of birth of an applicant. In respect of ex-Naval applicants, the date of birth indicated in Form No. Indian Navy 271 shall only be the proper documentary proof to this effect.

(3) Educational Qualifications:

(i)	For Deck, Engine and Catering (Saloon) Trainees	Xth standard passed
(ii)	For Utility Hands	VIII standard passed
(iii)	For Petty Officer	Xth Std. passed with respective trade certificate from ITI (National Trade Certificate) (NTC) or National Apprenticeship Certificate. (NAC) or Diploma Certificates approved by the National Council for Vocational Training (NCVT) or All India Council for Technical Education (AICTE). The minimum duration of the courses from any one of the above institutes shall be two years.
(iv)	For Purser/Ship's clerk	A graduate with knowledge of accountancy and computer operation.
(v)	For Electrical and Electronic Officer	A Diploma or Degree in respective Branch from a Government recognized Polytechnic or recognized University.

Note- C.D.C. in the category of Utility Hand shall be issued only if candidate is sponsored by a shipping company.

(4) For medical fitness. the applicant should possess a certificate in the prescribed form issued in Annexures "E" and "F" of the Merchant Shipping (Medical Examination) Rules, 2000. to the effect that he is medically fit to be employed on board ships.

(5) An applicant for issue of C.D.C as Deck, Engine and Catering (Saloon) Trainee shall have successfully completed the pre-sea training for ratings from an approved training institute as prescribed under sub-clause (b) of clause (ii) of sub-rule (2) of rule 28 of the Merchant Shipping (Standards of Training, Certification and Watchkeeping for Seafarer's) Rules, 1998.

(6) An applicant for issue of C.D.C shall have undergone the basic familiarization training and instructions as prescribed under sub-rule (1) of

rule 33 of the Merchant Shipping (Standards of Training, Certification and Watchkeeping for Seafarer's) Rules, 1998.

(7) An applicant shall not hold any C.D.C. issued earlier by any shipping master in India.

(8) In case of issue of C.D.C on compassionate grounds, the Director General of shipping may relax any or all of the provisions of this rule except sub-rules (5) and (6) of this rule in respect of all categories.

(9) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2) to (5) and (7) of this rule, an applicant, who is a member of any Scheduled Tribe, of the Union Territory of the Andaman and Nicobar Islands or the Union Territory of Lakshadweep and is of the age of not less than 18 years and not more than 40 years, shall be eligible for obtaining a C.D.C if he -

- (i) has served as a seaman or a ships crew or both in the capacity for which he seeks a CDC for not less than 3 years at sea within the previous 7 years preceding the date of application;
- (ii) has produced evidence that he has performed such sea service for a period of not less than three years;
- (iii) is in possession of a certificate in the prescribed form set out in Annexures "E" and "F" of the Merchant Shipping (Medical Examination) Rules 2000, to the effect that he is medically fit to be employed on ships; and
- (iv) has undergone the basic familiarization training and instructions as prescribed under sub-rule (1) of rule 33 of the Merchant Shipping (Standards of Training, Certification and Watchkeeping for Seafarer's) Rules, 1998.

(10) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (5) of this rule, an applicant who has been working on board foreign going vessels of any flag in any capacity without C.D.C issued by Indian authority during the period between the 1st January, 1982 and the date of notification of these rules in this Official Gazette, for a minimum period of not less than 3 years, shall be issued with a C.D.C. in the same capacity under these rules subject to the following conditions, namely:-

- (i) the applicant is a citizen of India.

(ii) the applicant shall produce with his application his passport or his Seafarers' Identity Document possessed by him giving details of the sea service rendered by him duly endorsed by the Master or owner or the owner's authorized agent of the vessel on which the seafarer had served or the owner's authorised agent.

(iii) The applicant is in possession of a certificate in the prescribed form set out in Annexures "E" and "F" of the Merchant Shipping (Medical Examination) Rules 2000, to the effect that he is medically fit to be employed on board ships.

(iv) The applicant has undergone the basic familiarization training and instructions as prescribed under sub-rule (1) of rule 33 of the Merchant Shipping (Standards of Training, Certification and Watchkeeping for Seafarer's) Rules, 1998.

(v) Such application shall be submitted to the shipping master's Office within a period of one year from the date of notification of these rules in the Official Gazette.

5. Eligibility for Certificated Officers - (1) A citizen of India who is in possession of a valid certificate of competency issued under section 78 of the Act or a Certificate recognised under section 86 of the Act or who has been declared successful in the final examination of the three years B.Sc. (Nautical Science) course approved by the Director General of Shipping or who has been declared passed or exempted in Marine Engineer Officer Class-II Part A Examination, is eligible for issue of a C.D.C .

(2) The Trainee Marine Engineer, Trainee Radio Officers, and Deck Cadets, who have completed the prescribed pre-sea training and are eligible to proceed to sea shall also be eligible to apply for issue of C.D.Cs. specifying the incumbent's rank or category.

(3) Navigational Watch-keeping officer(NCV), Marine Officer Class -IV and ex-Indian Naval Officer in possession of a Watch-keeping certificate, who have completed written examination and are required to undergo on board training for appearing in oral examination shall also be eligible to request for issue of C.D.Cs specifying the incumbent's rank or category.

(4) A citizen of India who is in possession of a valid Certificate of competency issued by any foreign nation. is eligible to request for issue of a C.D.C.

(5) All the applicants mentioned in sub rules (1) and (2) above shall have undergone the basic familiarization training and instructions as prescribed under sub-rule (2) of rule 33 of the Merchant Shipping (Standards of Training, Certification and Watchkeeping for Seafarer's) Rules, 1998.

6. Issue of C.D.Cs. - (1) The shipping master shall, after the descriptive particulars of the applicant have been entered in and the photograph affixed to the C.D.C., affix his signature and official seal on the photograph and issue the same to the applicant, who fulfils all the conditions laid down in rules 4 and 5.

(2) A C.D.C. issued under these rules shall be in Form-1 and shall be serially numbered.

Note- Issuance of C.D.C. does not guarantee a job which is the prerogative of the employers.

7. Register of C.D.Cs - (1) The shipping master shall maintain a register of C.D.Cs issued to seamen from his port, in Form-2, which shall contain all the particulars recorded in the C.D.C.

(2) All subsequent entries in the C.D.Cs issued from the port shall also be recorded in the said register.

8. Period of Validity - (1) A C.D.C. granted under these rules shall be valid for a period of ten years and may be renewed on expiry or within 6 months prior to date of expiry, on a request from the holder, for a further period up to ten years at a time if the holder is a serving Seaman and his C.D.C. has not been cancelled, withdrawn or suspended under these rules.

(2) If the period of validity of C.D.C. of a Seamen expires during the voyage, it shall continue to be valid till the end of the voyage.

(3) A recent photograph taken within the last three months should be affixed to the C.D.C. at the time of renewal while retaining the old photograph.

9. Report of desertion, etc. - For the purposes of section 192 of the Act, the proper officer shall be the shipping master.

10. Cancellation or suspension of a C.D.C. - (1) Where the Director General of Shipping is satisfied that a Seaman has committed a misconduct of a nature specified in section 190 of the Act or on a report received by him,

the Director General is satisfied that a seaman has deserted his ship in the circumstances specified in section 192 or that he has been convicted of an offence of the nature referred to in sub-section (2) of section 195 of the Act, he may direct to the shipping master that C.D.C. of such seaman shall be cancelled, withheld or shall be suspended for a specified period.

(2) If a seaman lawfully engaged is guilty of an offence of committing any of the acts mentioned in section 194 of the Act or is convicted of an offence under any other law for the time being in force, the Director General may direct that C.D.C. of such seaman shall be cancelled or withheld or suspended for such period as may be specified in the direction.

(3) If the shipping master has reasons to believe that the holder of a C.D.C. granted under this rule has obtained the same making a false or erroneous information, he may cancel or suspend such C.D.Cs forthwith.

(4) Where the C.D.C. has been cancelled or suspended as above, the reasons for the same shall be intimated to the person in writing to whom it is issued and a copy of the order of such cancellation or suspension as the case may be shall be endorsed to all other shipping masters in India and the Director General of Shipping.

(5) Before cancellation or suspension or to withhold the C.D.C., as the case may be, the C.D.C. holder shall be given an opportunity to represent his case before the shipping master. The shipping master shall also intimate the reasons of cancellation or suspension or withholding, as the case may be, to the C.D.C. holders if the same is decided upon.

11. Appeal - (1) Any applicant aggrieved by any order made under these rules by the shipping master, may, within a period of 60 days of receipt of such order, prefer an appeal to the Deputy Director-General of Shipping dealing with C.D.C..

(2) Any applicant aggrieved by any order made under sub-rule (1) of rule-11 by the Deputy Director General of Shipping, may prefer an appeal to the Director General of Shipping within a period of 60 days of receipt of such order by him. In such cases, the decision of the Director General of Shipping on such appeal shall be final.

(3) No appeal shall be admitted if it is preferred after the expiry of the period prescribed under sub-rule (1) and (2); provided that an appeal may be admitted after the expiry of period prescribed therefor, if the applicant

satisfies the appellate authority that he had sufficient cause for not preferring the appeal within the prescribed period.

12. Register of cancelled C.D.C., etc - The shipping master shall maintain a register of C.D.Cs which have been withheld, cancelled or suspended. under rule 10 of these rules.

13. C.D.C. not to be issued in certain cases - (1) No C.D.C. shall be issued to an applicant under these rules whose application has been cancelled or suspended by a shipping master of one port and who applies to the shipping master of another port by suppressing this fact.

(2) Where the request for the issue of C.D.C. is cancelled or suspended, the reasons for the such cancellation or suspension shall be intimated to the applicant and a copy of the such order shall be endorsed to all other shipping masters and the Director General of Shipping.

(3) No C.D.C. shall be issued to a applicant against whom a written debarment order or orders have been passed by a shipping master unless the said order has been set aside by the Director General of Shipping.

14. Duplicate C.D.C. - Where a C.D.C. of a person, if he is a serving seaman, issued under these rules, is mislaid, destroyed, defaced or mutilated, such seaman may apply to the shipping master of the port concerned along with a fee of rupees one thousand for issuance of a duplicate copy of the C.D.C., with all entries of the previous voyages or a summary of these recorded therein.

15. Returns of C.D.C. - Every shipping master shall, at the beginning of each quarter furnish to the Director General of Shipping a return in Form-3 of the number of C.D.Cs issued to Seamen from his port during the previous quarter.

16. Entry on Discharge - (1) At the time of discharge, the Seaman shall, if he so desires, be granted, by the master of the ship on which he has been serving an entry in the C.D.C. specifying the particulars referred to in sub-section (2) of section 120 of the Act.

(2) The entries made in the C.D.C. shall be attested by the shipping master of the port of discharge and thereafter the C.D.C. shall be returned to the seamen concerned.

FORM-1
[see rule 6(2)]

Government of India

Emblem

**CONTINUOUS DISCHARGE CERTIFICATE
CUM
SEAFARER'S IDENTITY DOCUMENT**

Issued under Merchant Shipping (Continuous Discharge Certificate -cum- Seafarer's Identity Document) Rules, 2001

Photograph
official stamp
Fresh issue

Photograph
official stamp
1st Renewal

Photograph
official stamp
2nd Renewal

Photograph
official stamp
3rd Renewal

Note- The above photo should be authenticated by impressing the Shipping Office Stamp and the Signature of the shipping master partly on the photo and partly on the book.

Name of the Seaman

Code No. of Port and
Registered No. of the
Discharge Book

Notice to Seamen

- (1) Seamen are informed that this Continuous Discharge Certificate -cum - Seafarer's Identity Document should be produced and handed over to the shipping master, or Consular when signing Articles of Agreement, so that the engagement column may be filled in and the certificate given into the safe keeping of the master of the Ship.
- (2) If the seaman desert or fail to join, his book will be deposited by the master with the shipping master or Consular or the port where he left the ship, who shall forward it to the shipping master of the port of engagement.
- (3) If this certificate become defaced or torn or filled up or if it get lost the shipping master will, on application, arrange for the issue of a duplicate
- (4) Seamen are warned not to correct, alter or in any way tamper with the entries on this certificate as they are liable to be prosecuted if they do so.
- (5) Seamen are informed that the C D Cs should be revalidated after every ten years and affix an additional recent photograph at the time of revalidation.
- (6) It may be ensured that the particulars mentioned in the C.D.C. are correct and if any discrepancies are noted, the same has to be intimated to the issuing office along with

the C.D.C for correction within 30 days from the date of receipt. Request for any corrections cannot be entertained after this deadline.

Note

If this Certificate come into the possession of any person to whom it does not belong, it should be handed over, to the shipping master, or the nearest Mercantile Marine Office, or may be transmitted to the Directorate General of Shipping, Mumbai.

Record of any award or commendation received by the seaman, the entry shall be signed by the Shipping Master, dated and stamped.

Emblem

CONTINUOUS DISCHARGE CERTIFICATE CUM SEAFARER'S IDENTITY DOCUMENT

Issued by the Government of India

Name of seamen in full and Name of Father

Date of Birth

DAY	MONTH	YEAR

Place of Birth:

Nationality:

Religion:

Height in Centimeters:

Colour of Eyes:

Colour of Hair:

Complexion:

Certificate of Competency, if any

Grade	Number

Tattoo or other distinguishing marks:

(i)	
(ii)	

Issued at the Port of

Date of Issue:

Signature of Seaman.....

Shipping Master

1. Pre-Sea Training Certificate No. and Place of Issue:
2. PSSR Certificate No. and Place of Issue:
3. PST Certificate No. and Place of Issue:
4. FF and FP Certificate No. and Place of Issue:
5. EFA Certificate No. and Place of Issue:
6. Certificate of Competency in Cooking No. and Place of Issue:

Summary of former Certificate of Service

Name of the Ship	Number of Voyages	Category	Number of voyages

Voyages not completed

**CONTINUOUS DISCHARGE CERTIFICATE
CUM
SEAFARER'S IDENTITY DOCUMENT**

S. No.	*Name of Ship and official number, and tonnage#	Date and place of		Category	Description of Voyage	Signature of Master and of Shipping Master, Consular Officer with official stamp
		Engagement	Discharge			
1	2	3	4	5	6	7
1					1.	(1) (2)
2					2.	(1) (2)
3.					3.	(1) (2)
4					4	(1) (2)
5.					5	(1) (2)
6.					6	(1) (2)
7.					7.	(1) (2)
8.					8.	(1) (2)
9					9	(1) (2)
10.					10.	(1) (2)
11.					11.	(1) (2)
12.					12.	(1) (2)
13.					13	(1) (2)
14.					14.	(1) (2)
15.					15.	(1) (2)
16.					16.	(1) (2)
17.					17.	(1) (2)
18.					18.	(1) (2)
19.					19.	(1) (2)
20.					20.	(1) (2)
21.					21.	(1) (2)
22.					22	(1) (2)

1	2	3	4	5	6	7
23.					23.	(1) (2)
24.					24.	(1) (2)
25.					25.	(1) (2)
26.					26.	(1) (2)
27.					27.	(1) (2)
28.					28.	(1) (2)
29.					29.	(1) (2)
30.					30.	(1) (2)
31.					31.	(1) (2)
32.					32.	(1) (2)
33.					33.	(1) (2)
34.					34.	(1) (2)
35.					35.	(1) (2)
36.					36.	(1) (2)
37.					37.	(1) (2)
38.					38.	(1) (2)
39.					39.	(1) (2)
40.					40.	(1) (2)
41.					41.	(1) (2)
42.					42.	(1) (2)
43.					43.	(1) (2)
44.					44.	(1) (2)
45.					45.	(1) (2)
46.					46.	(1) (2)
47.					47.	(1) (2)
48.					48.	(1) (2)

1	2	3	4	5	6	7
49.					49.	(1) (2)
50.					50	(1) (2)
51					51	(1) (2)
52					52	(1) (2)
53.					53	(1) (2)
54					54	(1) (2)

*These columns are to be filled in at the time of engagement.

#In Engineer's Books insert Kilo Watts. In Radio Officer's Books insert tonnage classification of Ship as per Merchant Shipping(Distress and Safety Radio Communication) Rules, 1995

HOME ADDRESS OF SEAMAN

(To be entered by the Seaman)

Name

Village

Post Office

District

State

Pincode

NEXT OF KIN OF SEAMAN WITH ADDRESS

Name and
Relationship.....

Address.....

Additional Pages for office use

Issued under Merchant Shipping(Continuous Discharge Certificate-cum-Seafarer's Identity Document) Rules, 2001 valid for a period of 10 years w.e.f. If the period of validity expires during the voyage, it shall be continued to be valid till the end of the voyage.

Shipping Master

Issued under Merchant Shipping(Continuous Discharge Certificate-cum-Seafarer's Identity Document) Rules, 2001 valid for a period of 10 years w.e.f. If the period of validity expires during the voyage, it shall be continued to be valid till the end of the voyage.

Shipping Master

Issued under Merchant Shipping(Continuous Discharge Certificate-cum-Seafarer's Identity Document) Rules, 2001 valid for a period of 10 years w.e.f. If the period of validity expires during the voyage, it shall be continued to be valid till the end of the voyage.

Shipping Master

Issued under Merchant Shipping(Continuous Discharge Certificate-cum-Seafarer's Identity Document) Rules, 2001 valid for a period of 10 years w.e.f. If the period of validity expires during the voyage, it shall be continued to be valid till the end of the voyage.

Shipping Master

Additional Pages for Office Use

189/GI/2001-5

FORM 2
(see rule 7)

**REGISTER OF CONTINUOUS DISCHARGE CERTIFICATE
CUM
SEAFARER'S IDENTITY DOCUMENT**

REGISTERED NO. OF DISCHARGE BOOK.....
DATE OF ISSUE OF CERTIFICATE.....

Emblem
Issued by
THE GOVERNMENT OF INDIA

PHOTOGRAPH

1. Pre-Sea Training Certificate No. and Place of Issue:
2. PSSR Certificate No. and Place of Issue:
3. PST Certificate No. and Place of Issue:
4. FF and FP Certificate No. and Place of Issue:
5. EFA Certificate No. and Place of Issue:
6. Certificate of Competency in Cooking No. and Place of Issue:

Name of Seamen in full and Name of Father:

Date of Birth:

DAY	MONTH	YEAR

Place of Birth:

Nationality:

Religion:

Village

Post Office

District

State

Pincode

Height in Centimeters

Colour of Eyes

Colour of Hair

Complexion:

Certificate of Competency, if any

Grade	Number

Tattoo or other distinguishing marks:

(i)	
(ii)	

Issued at the Port of.....

Date of Issue:

Signature of Seaman.....

Shipping Master

Record of any award or commendation received by the seaman,
the entry shall be signed by the shipping master, dated and stamped)

Signature of seaman

SHIPPING MASTER

Issued on:

*Note:- Stop orders shall be written in red ink to draw attention. Stop orders and other orders are to be cancelled as soon as they cease to operate. All entries, additions and alterations in this register shall be initialed by the shipping master, and they shall not, otherwise be recognized. Any person is warned that he is liable to be prosecuted if he tamper unlawfully with this register.

S. No.	*Name of Ship, official number, and tonnage	Date and place of		Category	Description of Voyage	Name of Master	Shipping Master's initial
		Engagement	Discharge				
1	2	3	4	5	6	7	8
1							
2							
3							
4							
5							
6							

1	2	3	4	5	6	7	8
7.							
8.							
9.							
10.							
11.							
12.							
13.							
14.							
15.							
16.							
17.							
18.							
19.							
20.							
21.							
22.							
23.							
24.							
25.							
26.							
27.							
28.							
29.							
30.							
31.							
32.							
33.							
34.							
35.							
36.							
37.							
38.							
39.							
40.							
41.							
42.							
43.							
44.							
45.							
46.							

1	2	3	4	5	6	7	8
47							
48.							
49.							
50.							
51							
52							
53.							
54							
55							
56							
57							
58							
59							
60							

*In Engineer's Books insert Horse Power. In Radio Officer's Books insert gross tonnage and wireless classification of ship.

FORM-3
(see rule 15)

Return in respect of Continuous Discharge Certificate-cum-Seafarer's Identity Document issued to seamen during the quarter ending at the port of

No. of Continuous Discharge Certificates-cum-Seafarer's Identity Document issued			
Deck	Engine room	Saloon	Total

No. of duplicate Continuous Discharge Certificates-cum-Seafarer's Identity Document issued.....

SHIPPING MASTER

To

The Director General of Shipping,
Mumbai.

ANNEXURE

Name of ports and their code letters for purposes of issue of Continuous Discharge Certificate-cum-Seafarer's Identity Document

	Name of Port	Code letters
1.	MUMBAI	MU
2.	CALCUTTA	CL
3.	CHENNAI	CH

[F. No. A-12017/8/2000-MT]
M. RAMACHANDRAN, Jt. Secy.